UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

UNIT=7

संस्कृत साहित्य, काव्यशास्त्र एवं छन्द का सामान्य परिचय

Daily = 6 pm

Class = 70

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

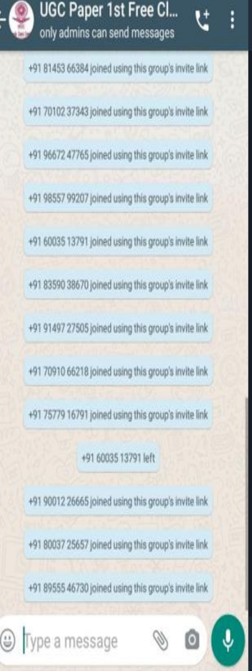
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 60035 13791 left
Type a message

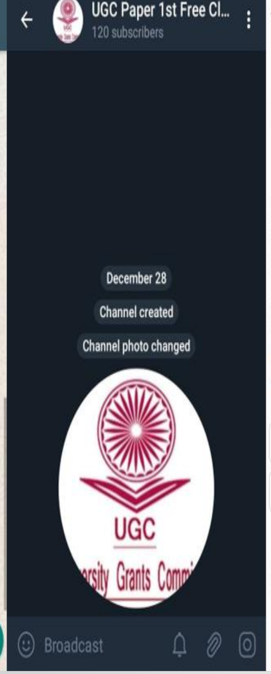
UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hacking ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

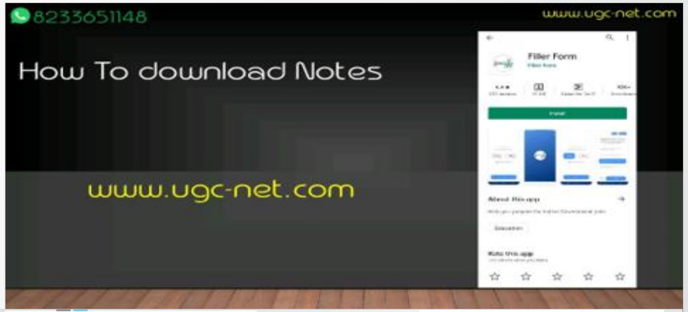
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Win Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

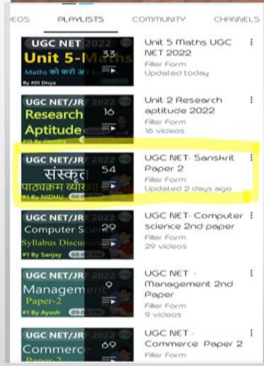
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Unit 2 Research aptitude 2022
UGC NET- Sanskrit Paper 2
UGC NET- Computer science 2nd paper
UGC NET - Management 2nd Paper
UGC NET - Commerce Paper 2

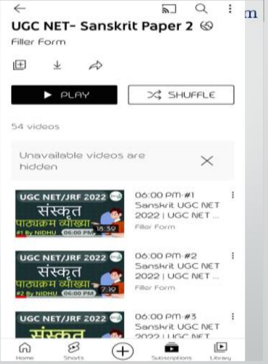
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden

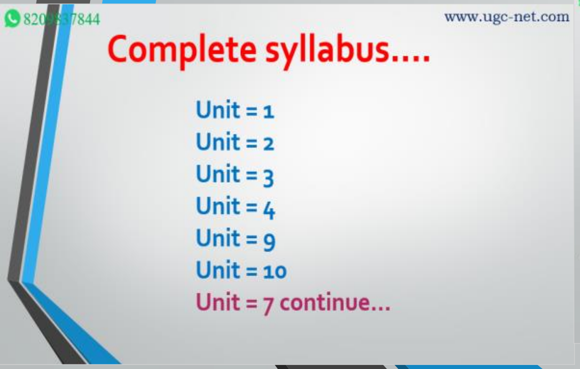
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7 continue...

www.ugc-net.com
Giveaway winner
Jayshree
Nag
Congratulations

UGC NET Giveaway
Free Books
MAY
1
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

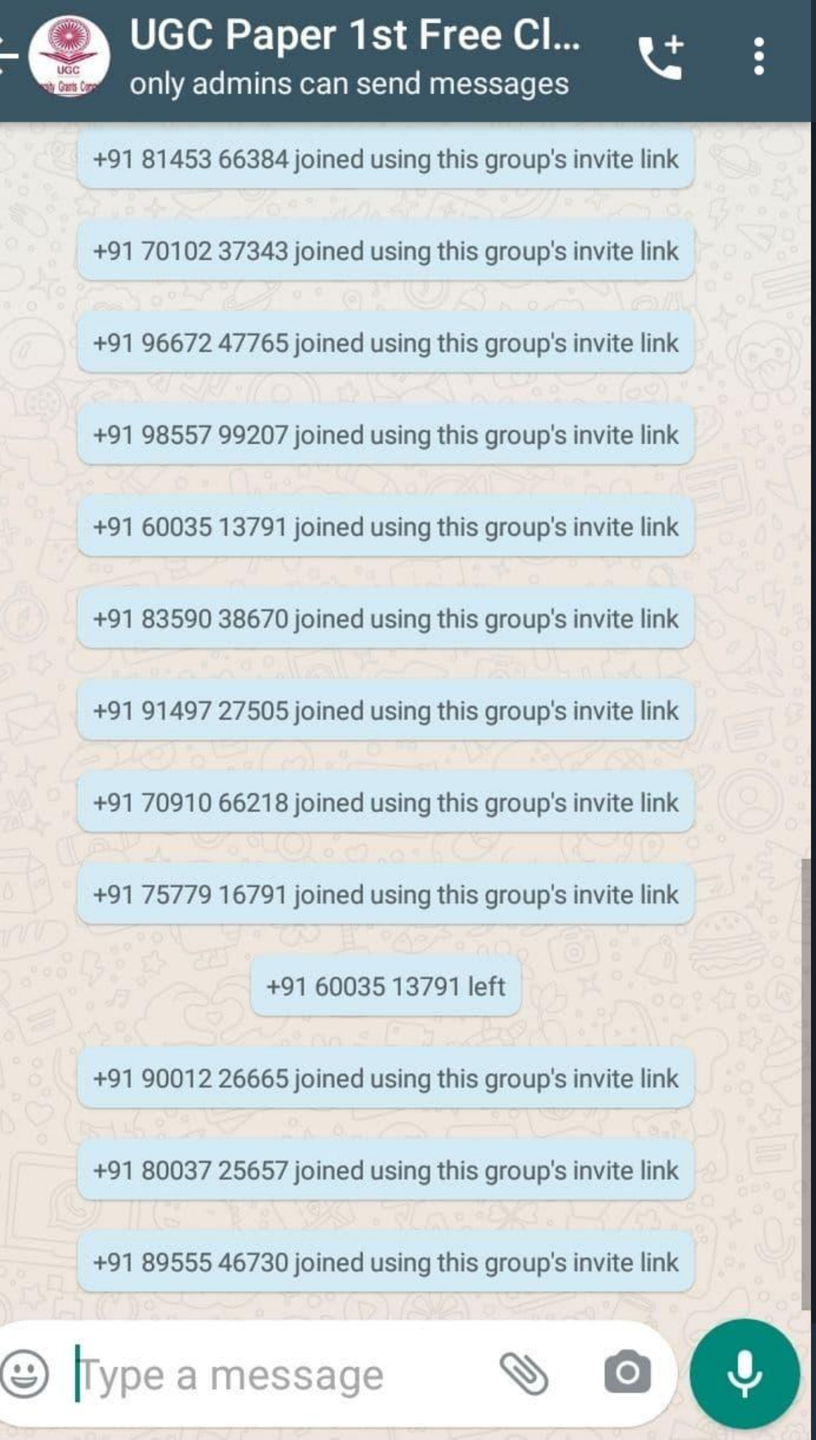
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

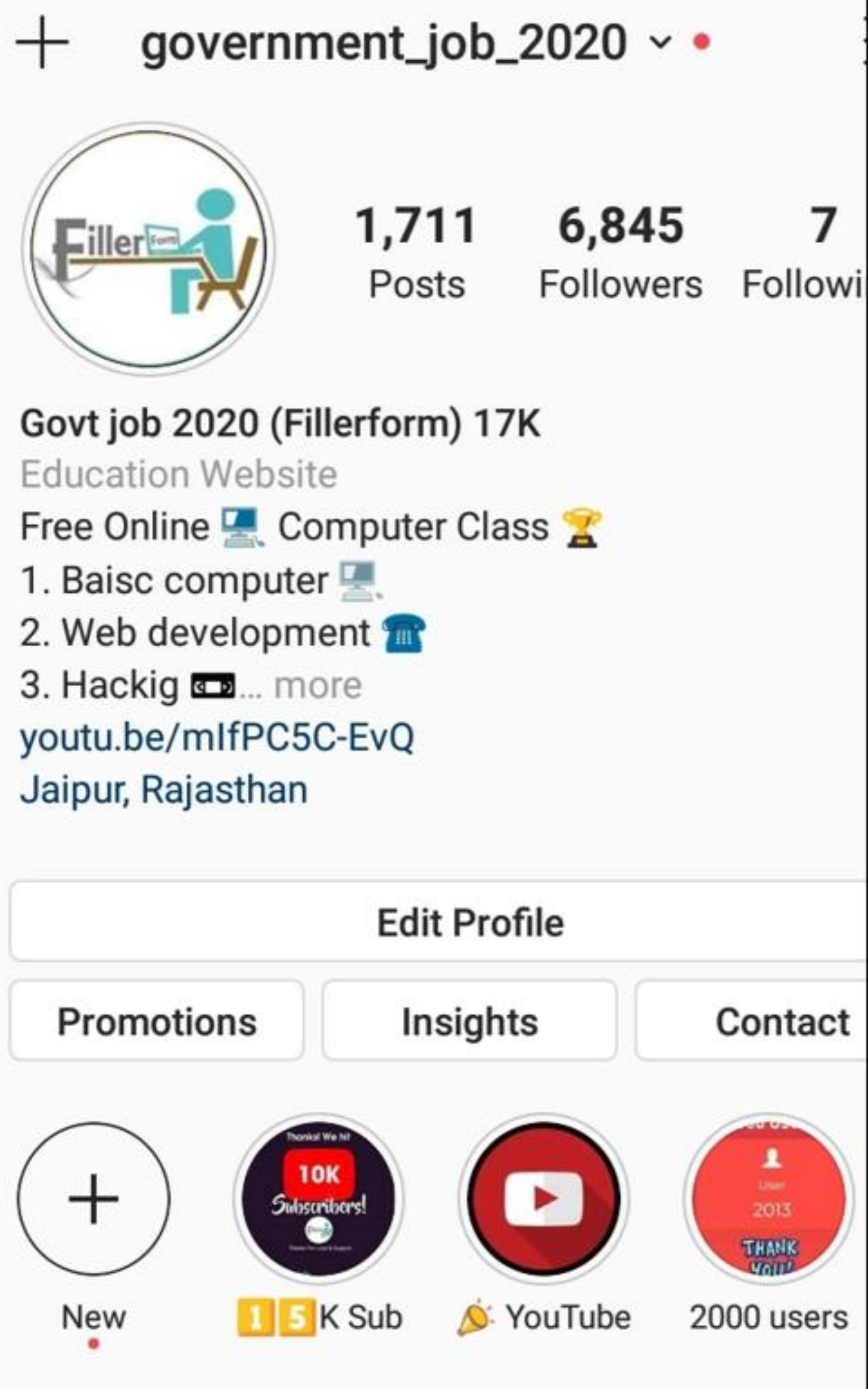
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

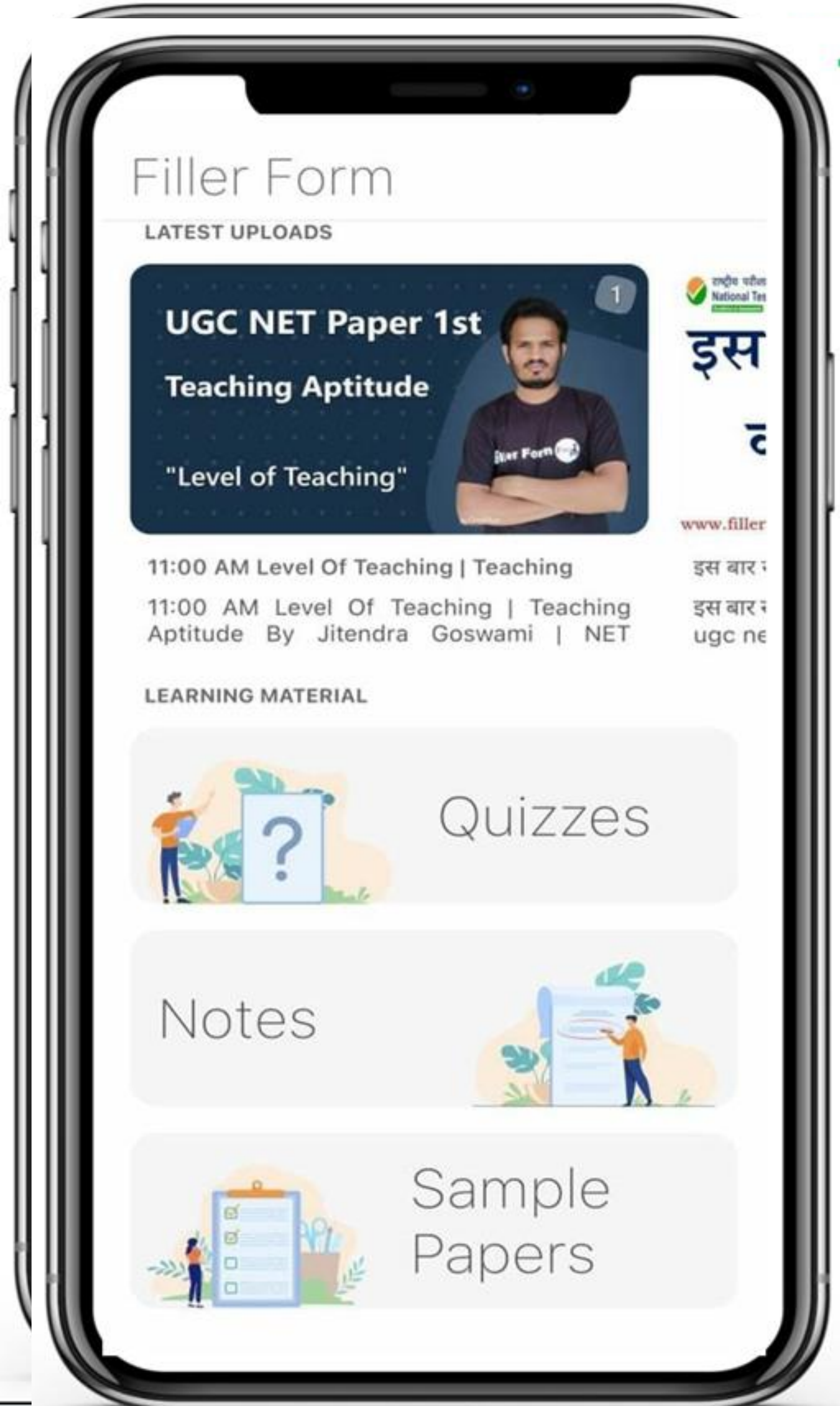

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

100% OFF

fillerform

8209837844

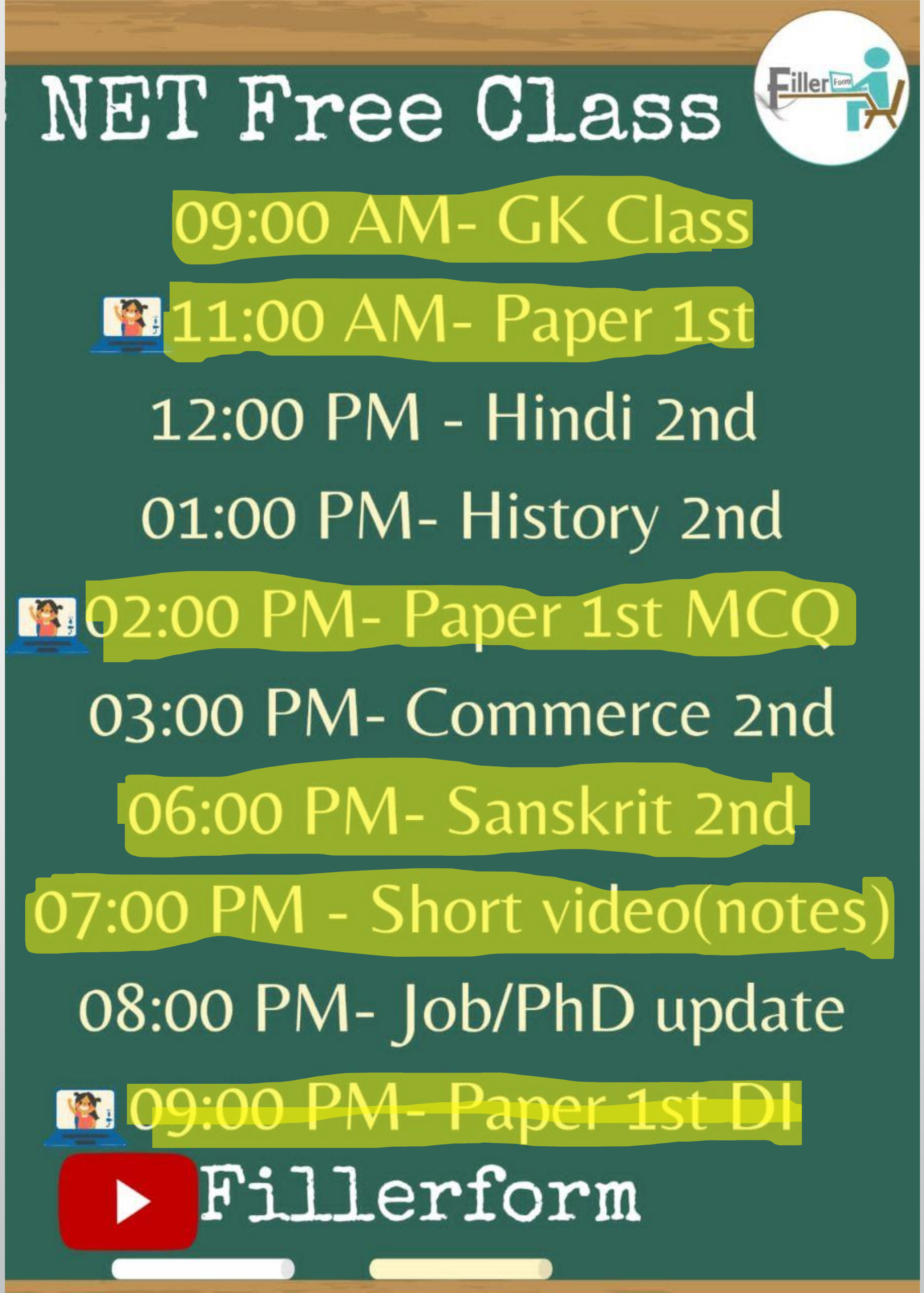

NET Free Class
Filler Form
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

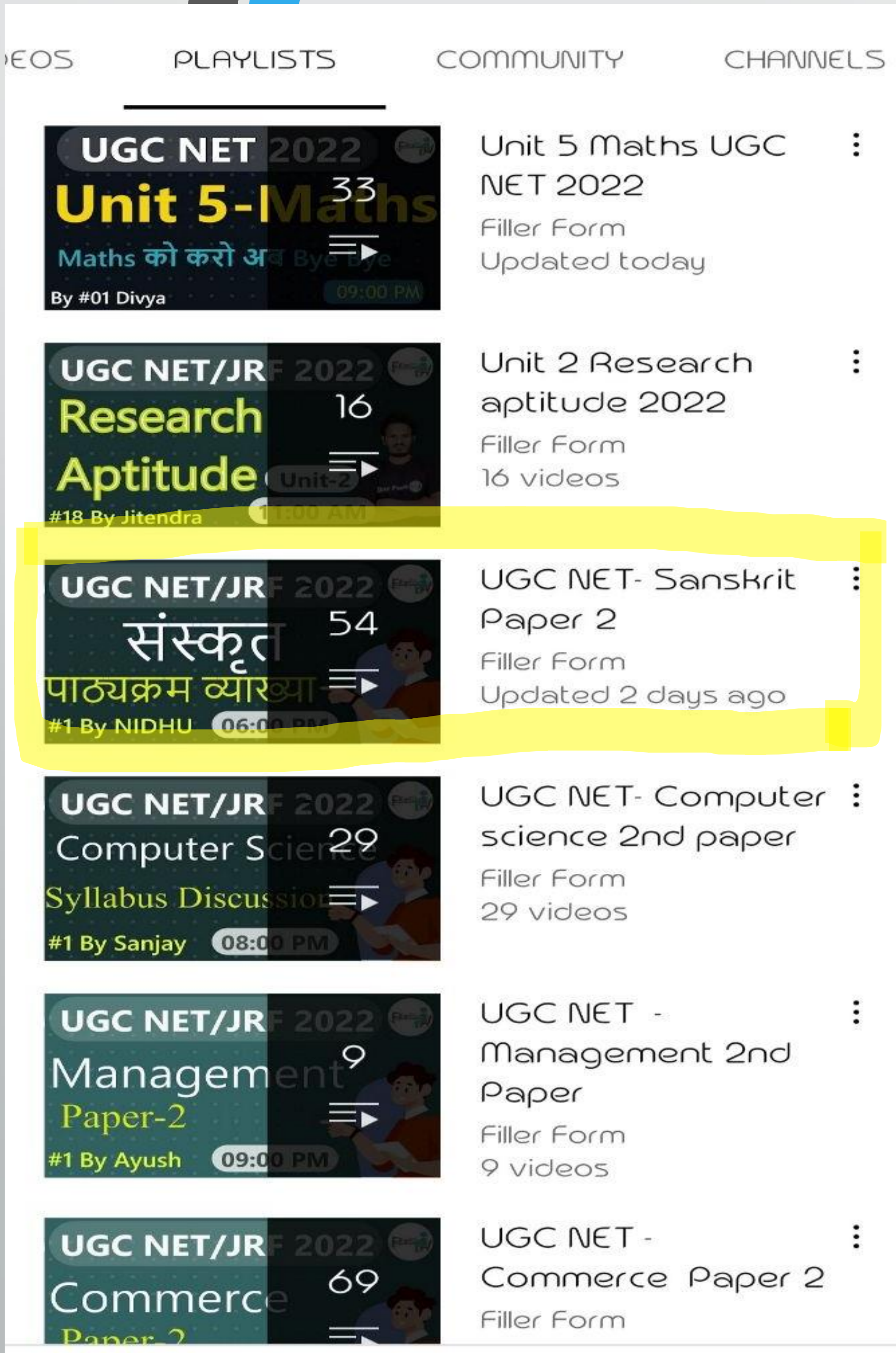

EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
Maths को करो अब Bye Bye
By #01 Divya
33
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
#18 By Jitendra
16
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
54
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
#1 By Sanjay
29
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
#1 By Ayush
9
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

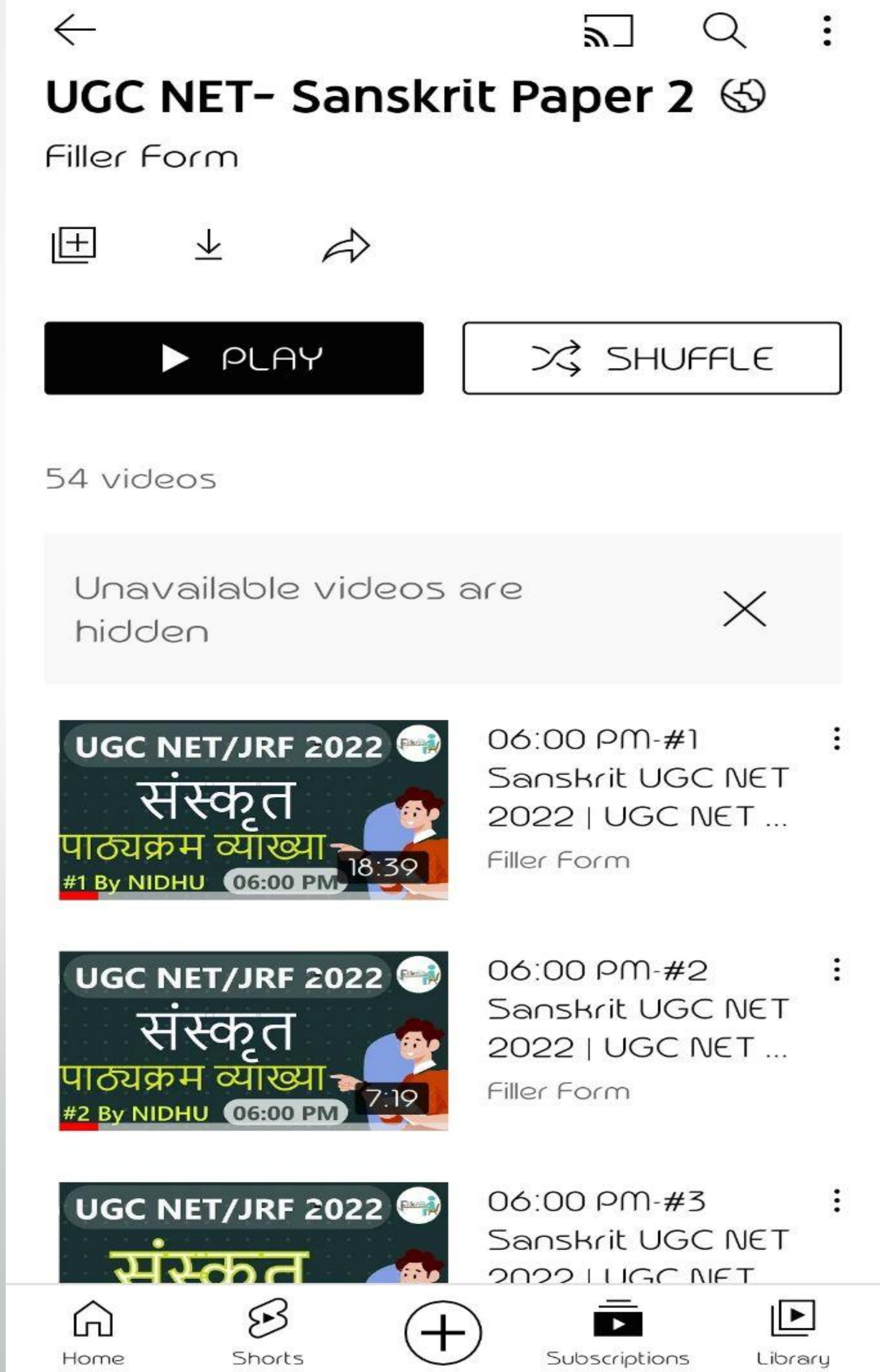

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU 06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU 06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

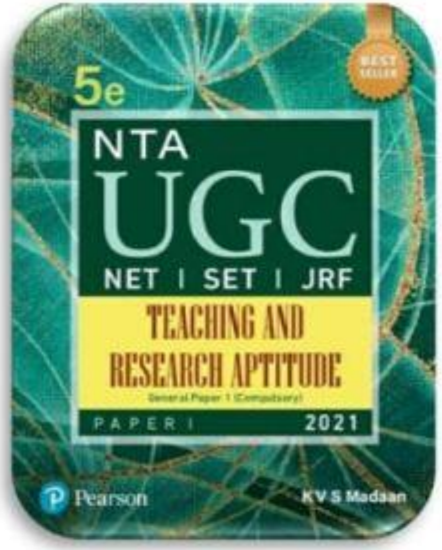

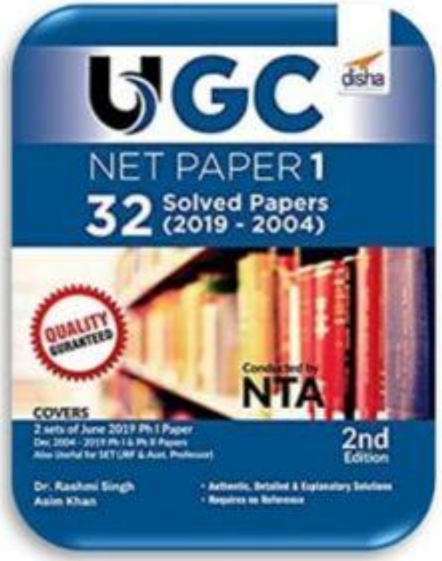

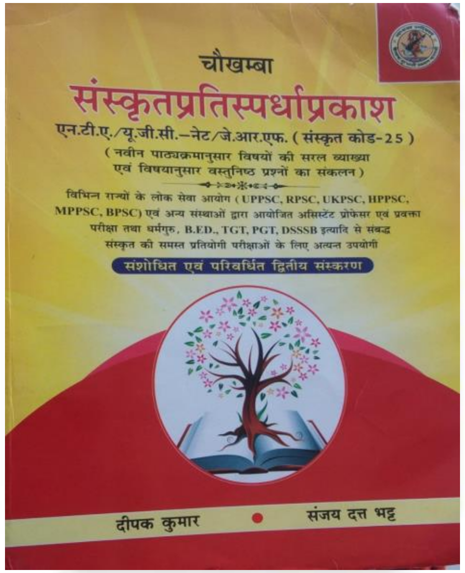

Win Books

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Books

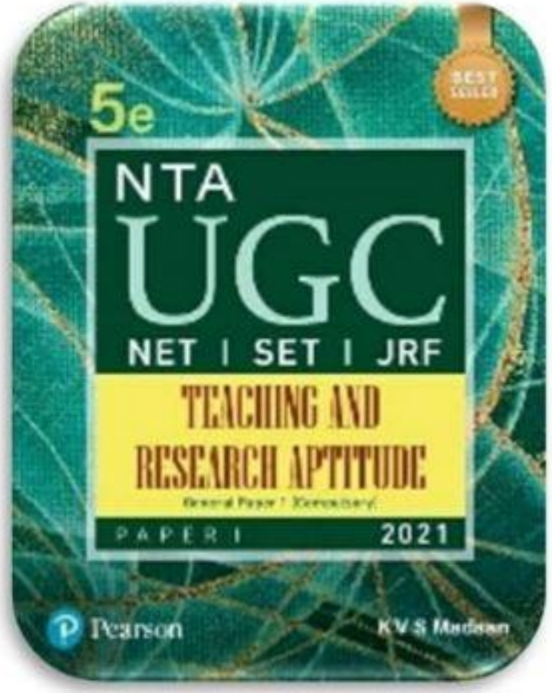

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

Giveaway winner
Jayshree
Nag
Congratulations

We want JRF

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

We want JRF

Complete syllabus….

Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7 continue…

इकाई-7

॥संस्कृतसाहित्य॥

संस्कृतसाहित्य काव्यशास्त्र एवं छन्द परिचय-

(क) प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय-

8209837844

www.ugc-net.com

Today's Topic....

(क) प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय-

8209837844

www.ugc-net.com

7. माघ

माघ का समय 675 ई. के लगभग 7 वीं **शताब्दी** का अंतिम चरण है। माघ **मारवाड़** के प्राचीनतम महाकाव्य **'शिशुपालवध'** के रचियता थे। 'माघ' का जन्म **भीन-माल** के एक प्रतिष्ठित धनी **श्रीमाली ब्राह्मण-कुल** में हुआ था। उनकी **पत्नी** का नाम **विद्यावती** था। वे सर्वश्रेष्ठ संस्कृतमहाकवियों की त्रयी **(माघ, भारवि, कालिदास)** में अन्यतम हैं। उन्होंने **शिशुपालवध** नामक केवल एक ही महाकाव्य लिखा। इस महाकाव्य में **श्रीकृष्ण** के द्वारा युधिष्ठिर के **राजसूय यज्ञ** में **चेदिनरेश शिशुपाल** के वध का सांगोपांग वर्णन है। **उपमा, अर्थगौरव तथा पदलालित्य** - इन तीन गुणों का सुभग सह-अस्तित्व माघ के कमनीय काव्य में मिलता है, अतः **"माघे सन्ति त्रयो गुणाः"** उनके बारे में सुप्रसिद्ध है। इनके **पिता** का नाम **दत्तक** था और माता का नाम ब्राह्मी था। माघ की प्रशंशासा में कहा गया है-

8209837844 www.ugc-net.com

"उपमा कालिदासस्य भारवेरर्थगौरवम्।

दण्डिनः पदलालित्यं माघे सन्ति त्रयो गुणाः" ॥

कालिदास उपमा में, भारवि अर्थगौरव में, और दण्डी पदलालित्य में बेजोड़ हैं। लेकिन माघ में ये तीनों गुण हैं। शिशुपालवध मे रैवतक पर्वत की हाथी से और हाथी के बंधे घंटे की तुलना नही बल्कि रैवतक पर्वत के दोनो ओर जो सूर्य और चन्द्रमा है उसकी उपमा स्वर्ण और रजत से निर्मित घंटे से की गई है! अतः माघ को घंटा माघ कहा जाता है।

कृतियाँ- 'शिशुपालवध'।

उपाधि- घंटा माघ,

8209837844

.ugc-net.com

8. हर्ष

हर्षवर्धन प्राचीन भारत में एक राजा था जिसने उत्तरी भारत में अपना एक सुदृढ़ साम्राज्य स्थापित किया था। इनका समय **सातवीं शताब्दी का पूर्वार्ध** माना जाता है। वह अंतिम हिंदू सम्राट था जिसने पंजाब छोड़कर शेष समस्त उत्तरी भारत पर राज्य किया। शशांक की मृत्यु के उपरांत वह बंगाल को भी जीतने में समर्थ हुआ। हर्षवर्धन के शासनकाल का इतिहास मगध से प्राप्त दो ताम्रपत्रों, राजतरंगिणी, चीनी यात्री ह्वेनसाँग के विवरण और हर्ष एवं बाणभट्ट रचित संस्कृत काव्य ग्रंथों में प्राप्त है।

- **पिता-** प्रभाकरवर्धन,
- **बडा भाई-** राज्यवर्धन,
- **बहन-** राज्यश्री,

82098

net.com

- **निवास**- स्थाणीश्वर,
- इन्होनें अवन्तिवर्मा के साथ मिलकर 562 ई. में हूणों को परास्त किया।
- ये प्रभाकरवर्धन के तीन पुत्रों में अद्वितीय थे ।

ह्वेनसांग की कृति 'सी यू की' में हर्ष के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है ।

कृतियाँ- प्रियदर्शिका- 4 अंक,
रत्नावली- 4 अंक,
नागानन्द- 5 अंक,

उपाधि- अनङ्ग, राजा, कवीन्द्र, कविता का हर्ष ।

8209837844
w.ugc-net.com

9. बाणभट्ट

बाणभट्ट संस्कृत साहित्य में ही एक ऐसे महाकवि हैं जिनके जीवन चरित के विषय में पर्याप्त जानकारी मिलती है। '**बाण भट्ट सातवीं शताब्दी पूर्वार्द्ध** के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। वह राजा **हर्षवर्धन** के आस्थान कवि थे। इनकी बाल्यावस्था में माता की मृत्यु और 14 वर्ष की अवस्था में पिता की मृत्यु हो गई थी। उनके दो प्रमुख ग्रंथ हैं: **हर्षचरितम्** तथा **कादम्बरी**। **हर्षचरितम्** राजा हर्षवर्धन का जीवन-चरित्र था और कादंबरी दुनिया का पहला **उपन्यास** था। राजा हर्ष ने इनको **(महानयं भुजंग)** कहा था। कादंबरी पूर्ण होने से पहले ही **बाण भट्ट** जी का देहांत हो गया तो उपन्यास पूरा करने का काम उनके पुत्र **भूषण भट्ट** ने अपने हाथ में लिया। दोनों ग्रंथ संस्कृत साहित्य के महत्त्वपूर्ण ग्रंथ माने जाते है।

यद्यपि बाणभट्ट की लेखनी से अनेक ग्रन्थ रत्नों का लेखन हुआ है किन्तु बाणभट्ट का महाकवित्व केवल **'हर्षचरित'** और **'कादम्बरी'** पर प्रधानतया आश्रित है। इन दोनों गद्य काव्यों के अतिरिक्त **मुकुटताडिका (नाटक), चण्डीशतकम् और पार्वती-परिणय (नाटक)** भी बाणभट्ट की रचनाओं में परिगणित हैं। इनमें **'पार्वतीपरिणय'** को ए.बी. **कीथ** ने बाणभट्ट की रचना न मानकर उसे **वामनभट्टबाण** (17 वीं शती) नामक किसी **दाक्षिणात्य वत्सगोत्रीय ब्राह्मण** की रचना माना है। गोवर्धनाचार्य का कथन है- **'वाणी बाणो बभूव'**।

8209837844

www.ugc-net.com

- **पिता-** चित्रभानु ,
- **माता-** राजदेवी ,
- **पुत्र-** भूषण भट्ट
- **निवास-** प्रीतिकूट (शोण नदी के दक्षिण तट पर)
- **शैली-** पांचाली ।
- **समय-** चीनी यात्री ह्वेन सॉंग (629- 645) के लगभग ।

कृतियाँ- हर्षचरितम् (आख्यायिका), कादंबरी (कथा), चंडीशतकम् (मुक्तककाव्य), मुकुटताडिका (नाटक), पार्वती परिणय (नाटक) ।

उपाधियाँ-

उपाधि	उपाधिदाता	उपाधि	उपाधिदाता
गद्यसम्राट्	बलदेव उपाध्याय	महानयं भुजंग	हर्षवर्धन
वश्यवाणी चक्रवर्ती	हर्ष	तुरंगबाण	आलोचक
कविताकामिनीकौतुक	जयदेव	सर्वेश्वर	
कविताकाननकेसरी	चन्द्रदेव		

8209837844

www.ugc-net.com

10. दंडी

दंडी संस्कृत के प्रसिद्ध साहित्यकार थे, जो **छठी शताब्दी के अंत और सातवीं शताब्दी** के प्रारंभ में सक्रिय थे। संस्कृत श्रृंगारिक गद्य के लेखक और काव्यशास्त्र के व्याख्याकार के रूप में उनकी दो महत्त्वपूर्ण रचनाएँ सामान्यत: निश्चित रुप से उनकी मानी जाती हैं। **'दशकुमारचरित'**, 1927 में **'द एडवेंचर्स ऑफ़ द टेन प्रिंसेज'** शीर्षक से अनुदित।

8209837844

www.ugc-net.com

जन्म विवाद- दंडी के जीवन के सम्बन्ध में प्रामाणिक सूचनाओं का बहुत अभाव है। कोई उन्हें सातवीं शती के उत्तरार्ध या आठवीं शती के आरम्भ का मानता है तो कोई इनका जन्म 550 और 650 ई. के बीच मानता है। अवंतीसुंदरी की कथा के अनुसार दंडी किरातार्जुनीयम् के रचयिता भारवी के प्रपौत्र थे । इनकी बाल्यावस्था में इनके माता-पिता का स्वर्गवास हो गया था ।

8209837844

w.ugc-net.com

❖ **दण्डी का सामान्य परिचय-**

- **माता-** गौरी
- भारवि के पुत्र- **मनोरथ**
- मनोरथ के चारों पुत्रों में छोटा पुत्र- **वीरदत्त**
- वीरदत्त के पुत्र- **दंडी** ।
- **भारवि- मनोरथ- वीरदत्त- दंडी** ।
- **निवास-** दक्षिण में विदर्भ महाराष्ट्र ।
- परिष्कृत गद्य शैली में जन्मदाता- **दंडी** ।
- **शैली-** वैदर्भी शैली भाषा गुण- प्रसाद माधुर्य गुण भावों की अभिव्यंजना शक्ति प्रबल है ।
- इनकी दृष्टि यथार्थवादी है । समाज के सभी वर्गों के पात्रों को लिया है ।यह आदर्शवादी न होकर यथार्थवादी और व्यवहारवादी हैं।

कृतियाँ-दशकुमारचरितम्,काव्यादर्श, अवन्तिसुन्दरीकथा, छन्दोविचति।

8209837844

ugc-net.com

11. भवभूति

भवभूति संस्कृत के महान कवि एवं सर्वश्रेष्ठ नाटककार थे। उनके नाटक कालिदास के नाटकों के समतुल्य माने जाते हैं। भवभूति ने अपने संबंध में **'महावीरचरितम्'** की प्रस्तावना में लिखा है। ये विदर्भ देश के **'पद्मपुर'** नामक स्थान के निवासी **भट्टगोपाल** के प्रपोत्र थे। इनके **पिता** का नाम **नीलकंठ** और **माता** का नाम **जतुकर्णी** था। इन्होंने अपना उल्लेख **'भट्टश्रीकंठ पदलांछनी भवभूतिर्नाम'** से किया है। इनके गुरु का नाम **'ज्ञाननिधि'** था। भवभूति विदर्भ (महाराष्ट्र राज्य) के **ब्राह्मण कन्नौज** (उत्तर प्रदेश राज्य) के राजा यशोवर्मन के दरबार में थे। भवभूति अपने तीन नाटकों के लिए विशेष रुप से प्रसिद्ध थे– **महावीरचरित, मालती माधव, उत्तररामचरित** । भवभूति का **जन्म सातवीं शताब्दी** के उत्तरार्ध माना जाता है ।

www.ugc-net.com

❖ भवभूति का सामान्य परिचय-

- **निवास-** दक्षिण भारत पद्मपुर,
- **गोत्र-** काश्यप ये कृष्ण यजुर्वेद की तैत्तीरीय शाखा पाठी ब्राह्मण थे।
- **पिता-** नीलकंठ,
- **माता-** जातुकर्णी या जतुकर्णी
- **पितामह-** भट्टगोपाल
- **प्रिय छंद-** अनुष्टुप, शिखरिणी
- **उपासक-** शिव के,
- भवभूति का मूलनाम- श्रीकण्ठ (कवि के रूप में भवभूति के नाम से विख्यात)
- **रीति-** गौडी, उत्तररामचरितम् में वैदर्भी रीति का प्रयोग किया है।

8209837784 ugc-net.com

- ये विविध शास्त्रों के विशेषज्ञ थे अतः इनकों **पदवाक्यप्रमाणज्ञः** कहां जाता है ।
- **पद(व्याकरण), वाक्य(मीमांसा), प्रमाण(न्याय), ज्ञः(ज्ञाता)** ।
- **महावीरचरितम** में इन्होंने अपने को **परिणतप्रज्ञः** कहा है।
- **उत्तररामचरितम्** में इन्होंने अपने को **वश्यवाक्** कहा है।
- भवभूति के नाटकों में **अभिधावृत्ति** मुख्य है भवभूति की कृतियों में **ओजगुण** अधिक है।
- **प्रशस्ति-** 'कवयः कालिदासाद्याः भवभूतिः महाकविः'।

कृतियां-

नाटक- उत्तररामचरितम् (7अंक), महावीर चरितम (7अंक) ।

प्रकरण ग्रंथ- मालतीमाधवम् (10अंक) ।

8209837844
www.ugc-net.com

उपाधि- श्रीकंठ, पदवाक्यप्रमाणज्ञः, परिणतप्रज्ञः, वश्यवाक्, शिखरिणीकवि, अम्बेक/उदम्बर, श्रीकण्ठपदलांछनः ।

12. भट्टनारायण

भट्ट नारायण संस्कृत के महान नाटककार थे। वे अपनी केवल एक कृति **वेणीसंहार** के द्वारा संस्कृत साहित्य में अमर हैं। संस्कृत वाङ्मय में समुपलब्ध नाटकों में इसका विशिष्ट स्थान है। विद्वज्जन इसे नाट्यशास्त्र के सिद्धांतों के अनुकूल दृष्टिकोण से लिखा गया नाटक मानते हैं इसीलिए इसके उदाहरणों को अपने लक्षणग्रंथों में **वामन, विश्वनाथ** आदि ने विशेष रूप से उद्धृत किया है। कवि ने **वेणीसंहार** की प्रस्तावना में अपने आप को **मृगराजलक्ष्मा** कहा है । इससे ज्ञात होता है कि इन्हें **कविंद्र** या **कविमृगेंद्र** कहा जाता था ।

8209837844

www.ugc-net.com

जीवन वृत्त- भट्टनारायण का जीवनवृत्त अनिश्चित है किंतु वामन और आनंदवर्धनाचार्य के ग्रंथों में **वेणीसंहार** के उद्धरणों से यह स्पष्ट है कि यह उनसे पूर्ववर्ती हैं। इनका समय **सातवीं आठवीं शताब्दी ई.** माना जाता है।

कृति- वेणीसंहार एकमात्र नाटक (6अंक)।

उपाधि- मृगराज, कविमृगेंद्र, कविंद्र ।

Next class….

(क) प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय-

Home work ....

Hend Writing Notes Send me On Telegram Group...

This Group.. = SANSKRIT BY NIDHU

This link..= https://t.me/+TfoY7528c8UoMmFl

LIKE
& SHARE

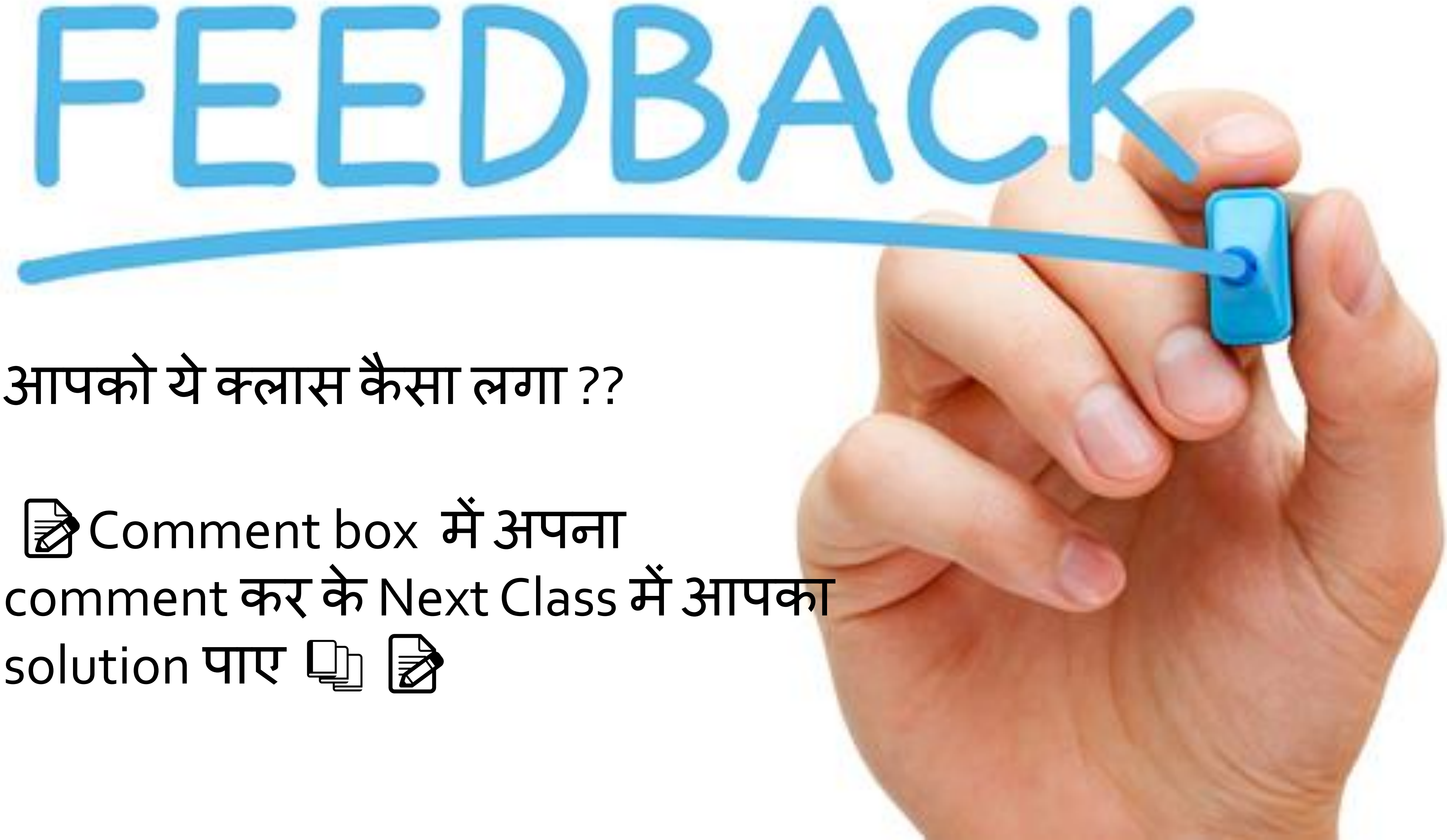

आपको ये क्लास कैसा लगा ??

Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

//Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

thank you